मेरे मन की शहनाई रो रो के तुझे पुकारे भजन लिरिक्स

मेरे मन की शहनाई,
रो रो के तुझे पुकारे,
आजा रे कन्हैया आजा रे,
आजा रे कन्हैया आजा रे।bd।

कभी ये बजा करती थी,
अपनी ही धुन में,
खिलते थे फूल मेरे,
मन उपवन में,
सुर भी आज पड़े है मध्यम,
ये सारे के सारे,
सुर भी आज पड़े है मध्यम,
ये सारे के सारे,
आजा रे कन्हैया आजा रे,
आजा रे कन्हैया आजा रे।bd।

आज बज रही है ये तो,
जग के इशारो पे,
तुझ पर असर नहीं होगा,
इसकी पुकारों से,
कोई खुशी कोई गम के,
करता इसे ईशारे,
कोई खुशी कोई गम के,
करता इसे ईशारे,
आजा रे कन्हैया आजा रे,
आजा रे कन्हैया आजा रे।bd।

गाती रही है ये तो,
गीत बेबसी के,
गायेगी कब ये मोहन,
गीत खुशी के,
बाट उडीके तेरी 'संजू',
हर दिन सांझ सकारे,
बाट उडीके तेरी 'संजू',
हर दिन सांझ सकारे,
आजा रे कन्हैया आजा रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आजा रे कन्हैया आजा रे।bd।

मेरे मन की शहनाई,
रो रो के तुझे पुकारे,
आजा रे कन्हैया आजा रे,
आजा रे कन्हैया आजा रे।bd।

गायक – संजू शर्मा जी।
प्रेषक – संजय पाटीदार।
8878861237

देखे – आ जाओ अब कन्हैया।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com